



११३५

भारत का दफ्तर The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ३३७]

No. 337]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई ४, १९८६/आषाढ़ १३, १९०८

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 4, 1986/ASADHA 13, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
नई दिल्ली, ४ जुलाई, १९८६
अधिसूचना
सं. ३८१-सीमा-शुल्क/८६

सा.का.नि. ९३२(अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, १९६२ (१९६२ का ५२) की धारा २५ की उपकार्य (१) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. ७७-सीमा-शुल्क, तारीख १७ अप्रैल, १९८० में निम्नलिखित और संशोधन करनी है, अर्थात् —

उक्त अधिसूचना में, पैरा २४ के पश्चात् निम्नलिखित पैरा अतः दीर्घित किया जाएगा, अर्थात् —

“२४. इस अधिसूचना में किसी बात के होते हुए भी, सीमा-शुल्क कलेक्टर जोन में उत्पादित या विनिर्मित या पैक किए गए, किसी उत्पाद-शुल्क या माल को जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को नमूने के रूप में प्रदर्शन के प्रयोजनों के लिए ले जाने की अनुज्ञा केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, १९४४ (१९४४ का १) की धारा

३ के अधीन ऐसे उत्पाद-शुल्क या माल पर उद्यग्नीय उत्पाद-शुल्क का वर्दाय करने पर, ऐसी शर्तों और निवंधनों के यथानुज्ञानीय होते हुए दे सकता है जो जोन के विकास आयुक्त द्वारा इस नियित विनियोगित की जाएँ:

परन्तु जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को नमूने के रूप में प्रदर्शन के प्रयोजनों के लिए ले जाने के लिए अनुज्ञात किए गए उत्पाद-शुल्क या माल की मात्रा और समय-समय पर यथासंभवत आयान तथा नियान नीति—अप्रैल, १९८५ से मार्च, १९८८, धारा (१) (जो भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की लोक सूचना सं. १-गार्ड टी सी (पीएन)/८५-८८, तारीख १२ जुलाई, १९८५ में प्रकाशित की गई थी) के अनुसार, जोन में इसी यूनिट की वाबत, विक्रय के प्रयोजनों के लिए जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को ले जाने के लिए अनुज्ञात किए गए उत्पाद-शुल्क या माल की मात्रा, किसी एक वित्तीय वर्ष में, उक्त आयान तथा नियान नीति में, संबंधित उत्पाद-शुल्क या माल के ऐसे विक्रय के प्रयोजनों के लिए, विनियोग मात्रा से अधिक नहीं होगी।”

[मं. ३८१-सीमा-शुल्क/८६-फा.म. ३०५/१८/८६-एफ टीटी]

एम. मायकल, इडर रिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

New Delhi, the 4th July, 1986

NOTIFICATION

No. 381-CUSTOMS/86

G.S.R. 932(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue, No. 77-Customs, dated the 17th April, 1980, namely :—

In the said notification, after paragraph 2C, the following paragraph shall be inserted, namely :—

"2D. Notwithstanding anything contained in this notification, the Collector of Customs may allow any excisable goods produced or manufactured or packaged within the zone, to be taken outside the Zone to any other place in India for the

purposes of display as samples subject to such conditions and restrictions as may be specified by the Development Commissioner of the Zone in this behalf, on payment of the duty of excise leviable on such excisable goods under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) :

Provided that, the quantity of the excisable goods so allowed to be taken outside the Zone to any other place in India for the purposes of display as samples together with the quantity of excisable goods allowed to be taken outside the Zone to any other place in India for the purposes of sale under and in accordance with the Import and Export Policy for April, 1985—March, 1988 [Volume (I)] (published with the Public Notice of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1-ITC(PN)/85-88, dated the 12th April, 1985), as amended from time to time, in respect of any unit in the Zone shall not, in any financial year, exceed the limit specified in the said Import and Export Policy for the purposes of such sale of the excisable goods concerned."

[No. 381-Customs/86-F. No. 305/18/86-FTF.]

M. MICHAEL, Under Secy.